

## कुडनकुलम में परमाणु अपशषिट सुवधि

### प्रलिमिंस के लयि:

अवे फ्रॉम रएिक्टर फ़ैसलिटी (AFR), कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परयोजना (KKNPP), परमाणु अपशषिट, रेडयिधरमी प्रदूषण (रेडयिधरमति का प्रसार), स्वास्थय पर रेडयिधरमी प्रदूषण का प्रभाव ।

### मेन्स के लयि:

परमाणु आपदा, स्वास्थय पर रेडयिधरमी प्रदूषण का प्रभाव ।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में कुडनकुलम ग्राम पंचायत ने परमाणु कचरे के भंडारण के लिये कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परयोजना (KKNPP) साइट पर 'अवे फ्रॉम रएिक्टर फ़ैसलिटी (Away From Reactor Facility-AFR) के नरिमाण के खलिाफ एक प्रस्ताव पारति कयि है ।

- इससे पहले राज्य सरकार (तमलिनाडु) ने भी इस तरह के नरिमाण का वरिध कयि था ।
- ग्राम पंचायत का वचिार है कएिएफआर साइट रेडयिधरमी प्रदूषण (रेडयिधरमति का प्रसार) को बढावा देगी तथा उस भूजल को खराब कर देगी, जसिका उपयोग पीने के पानी और सचिाई के लयि कयि जाता है ।



## एएफआर साइट:

- परमाणु ऊर्जा संयंत्र में खर्च कयि गए ईधन के भंडारण की योजना दोहरी प्रकृति की है:
  - एक सुवधि रएिक्टर भवन/सेवा भवन के भीतर स्थति है, जसि आमतौर पर खर्च कयि गए ईधन भंडारण पूल के रूप में जाना जाता है ।
  - एक अन्य रएिक्टर से दूर स्थति लेकनि संयंत्र के परसिर के भीतर जसि अवे फ्रॉम रएिक्टर (AFR) खर्च ईधन भंडारण सुवधि कहा जाता है,

- रिएक्टर भवन के अंदर खर्च किये गए ईंधन भंडारण की एक सीमति क्षमता है और इसका उपयोग ईंधन भरने के दौरान रिएक्टर से निकले ईंधन के तत्काल भंडारण के लिये किया जाता है।
- सुवधि में स्थानांतरित होने से पहले इसे पर्याप्त रूप से ठंडा करने के लिये ईंधन कुछ वर्षों तक पूल में रखा जाता है।
- एएफआर खर्च ईंधन भंडारण सुवधि (AFR Spent Fuel Storage Facility) क्षमता के मामले को छोड़कर, रिएक्टर भवन के अंदरपरयोग किये गए ईंधन' के समान कार्यात्मक है।

## केंद्र सरकार के तर्क:

- केकेएनपीपी (KKNPP) रिएक्टर 1 और 2 में परस्तावति AFR सुवधि केवल प्रयोग किये गए ईंधन के भंडारण के लिये है, न किपरमाणु कचरे के भंडारण के लिये जैसा कि कुछ लोगों द्वारा माना गया है।
- इसका डिज़ाइन यह सुनिश्चित करता है कि कर्मियों, जनता और पर्यावरण पर AFR सुवधि का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- जनता के लिये AFR के कारण विकिरण की मात्रा नगण्य होगी, भले ही इसकी तुकना प्राकृतिक विकिरण भू-स्रोतों जैसे मट्टी, सूरज आदिके जोखिम से की जाए।
- यह तारापुर और रावतभाटा स्थलों पर स्थापित किया गया है, जहाँ AFR कई वर्षों से परचालन में है।

## रेडियोधर्मिता:

- रेडियोधर्मिता कुछ तत्त्वों के अस्थिर नाभिक से कणों या तरंगों के स्वतःस्फूर्त उत्सर्जन की घटना है। रेडियोधर्मी उत्सर्जन तीन प्रकार के होते हैं: अल्फा, बीटा और गामा।
  - अल्फा कण धनावेशित हीलियम (He) परमाणु हैं, बीटा कण ऋणावेशित इलेक्ट्रॉन हैं और गामा किरणें उदासीन वदियुतचुंबकीय विकिरण हैं।
- रेडियोधर्मी तत्त्व प्राकृतिक रूप से पृथ्वी की क्रस्ट में पाए जाते हैं। यूरेनियम, थोरियम और एक्टिनियम तीन 'NORM' (स्वाभाविक रूप से होने वाली रेडियोधर्मी सामग्री) शृंखला हैं जो जल संसाधनों को संदूषित करती हैं।
- सभी प्रकार के जल में थोड़ी मात्रा में विकिरण पाया जाता है लेकिन विकिरण की वसितारति मात्रा मानव स्वास्थ्य के लिये हानिकारक होती है। पीने के पानी में रेडियोधर्मिता को सकल अल्फा परीक्षण द्वारा निर्धारित किया जा सकता है।
- रेडियोधर्मिता को बेकुरल (SI इकाई) या क्यूरी में मापा जाता है। यूनिट सीवर्ट मानव ऊतकों द्वारा अवशोषित विकिरण की मात्रा को मापता है।

## स्रोत:

- प्राकृतिक:
  - **जलीय प्रणाली में रेडियोटॉक्सिक तत्त्व:** रेडियम, NORM शृंखला में पाए जाने वाले समूह का एक तत्त्व है जो जलीय प्रणालियों में पाए जाने वाले रेडियोटॉक्सिक तत्त्वों में से एक है, यह नमिनलखित माध्यमों से भूजल में प्रवेश कर सकता है-
    - (i) एक्वीफर रॉक वधितन (ii) 238U और 232Th के क्षय या (iii) अवशोषण की प्रक्रिया द्वारा।
      - रेडियम एक रेडियोन्यूक्लाइड है जो पर्यावरण में यूरेनियम (U) और थोरियम (Th) के क्षय से निर्मित होता है।
    - **मैग्मा (Magma):** कभी-कभी पर्यावरण में मैग्मा से रेडियोधर्मी गैसों भी उत्सर्जित होती हैं।
    - **मृदा तलछट:** मट्टी के तलछट से जलभृत तक NORM का रसाव भूजल संदूषण का कारण बनता है।

## वर्गित वर्षों के प्रश्न

अपनी तेज़ी से बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिये कुछ का मानना है कि भारत को परमाणु ऊर्जा के लिये भविष्य के ईंधन के रूप में थोरियम पर अनुसंधान और विकास करना चाहिये। इस संदर्भ में यूरेनियम पर थोरियम का क्या लाभ है? (2012)

1. यूरेनियम की तुलना में थोरियम प्रकृति में कहीं अधिक प्रचुर मात्रा में वदियमान है।
2. खनन किये गए खनजि के प्रता इकाई द्रव्यमान के आधार पर थोरियम प्राकृतिक यूरेनियम की तुलना में अधिक ऊर्जा उत्पन्न कर सकता है।
3. थोरियम यूरेनियम की तुलना में कम हानिकारक अपशषिट पैदा करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

## मानवजनति:

- परमाणु रिएक्टर और हथियार:

- परमाणु रिएक्टर और परमाणु हथियार का प्रयोग मानव प्रेरित रेडियोन्यूक्लाइड नखन के प्रमुख स्रोत हैं। परमाणु रिएक्टर रेडियो आइसोटोप (कोबाल्ट-60, इरडियम-192 आदी) का उत्पादन करते हैं जो रेडियोथेरेपी तथा कई औद्योगिक उपकरणों में गामा वकिरण के स्रोत के रूप में बाहर निकलते हैं।
- तटीय क्षेत्रों में स्थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र परमाणु कचरे को छोड़कर समुद्री जल में रेडियोलॉजिकल संदूषक उत्सर्जित करते हैं। इन बजिलीघरों में पानी को शीतलक के रूप में भी प्रयोग किया जाता है, जो दूषित भी हो जाते हैं।
- **रेडियोधर्मी कचरे की डंपिंग:**
  - परमाणु हथियारों, एक्स-रे, एमआरआई और अन्य चकितिसा उपकरणों में रेडियोधर्मी तत्वों के प्रयोग से यह मनुष्य के संपर्क में आने का कारण बनता है। इन रेडियोधर्मी कचरे को सतही जल नकियों में डालने से जल प्रदूषण होता है।
  - ट्रॉटियम-90, सीज़ियम-137 आदि कई अनावश्यक रेडियोआइसोटोपिक भी कचरे के साथ-साथ परमाणु रिएक्टरों से बनते हैं।
- **खनन:**
  - यूरेनियम और थोरियम जैसे रेडियोधर्मी तत्वों की खनन गतिविधियाँ भी सतह और भूजल को प्रदूषित करती हैं।
- **परमाणु दुर्घटनाएँ:**
  - प्रायः परमाणु पनडुबबियाँ समुद्री वातावरण में रेडियोधर्मी संदूषण का कारण बनती हैं।
  - पनडुबबी दुर्घटनाओं के कारण रेडियोधर्मी प्रदूषण होता है।
  - कोलोराडो में रॉकी प्लांट, फुकुशामा और चेर्नोबिल परमाणु आपदा ऐसी परमाणु दुर्घटनाओं के कुछ प्रमुख उदाहरण हैं।

## स्वास्थ्य प्रभाव:

- **वकिरण सडिरोम:**
  - मानव ऊतक प्रदूषित पानी और खाद्य पदार्थों के माध्यम से वकिरण को अवशोषित करते हैं, जिससे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। वकिरण की उच्च मात्रा वकिरण सडिरोम या त्वचीय वकिरण चोट का कारण बन सकती है।
- **मानव शरीर करिया में वकिर:**
  - वकिरण के संपर्क में आने से मानव शरीर में वभिन्न वकिर होते हैं, जिनमें कैंसर, ल्यूकेमिया, आनुवंशिक उत्परिवर्तन, मोतयाबदि आदि शामिल हैं।
- **उत्परिवर्तन और संरचनात्मक परविवर्तन:**
  - आनुवंशिक प्रभाव, आयनकारी वकिरण रोगाणु कोशिकाओं (पुरुष शुक्राणु कोशिकाओं और महिला अंडाणु कोशिकाओं) में उत्परिवर्तन को प्रेरित करता है, जिसके परिणामस्वरूप रोगाणु कोशिकाओं के डीएनए में संरचनात्मक परविवर्तन होता है जो कएक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित होता है।
  - वंशानुगत वकिरों से असामयिक मृत्यु और गंभीर मानसिक बीमारी हो सकती है।

## वगित वर्षों के प्रश्न

नमिनलखित में से कसि देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा यूरेनियम भंडार है? (2009)

- (a) ऑस्ट्रेलिया
- (b) कनाडा
- (c) रूसी संघ
- (d) USA

उत्तर: (a)

## स्रोत: द हट्टू